Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–252

B.A. (Part–II) Examination, 2023

HINDI LITERATURE

Paper - II

(नाटक एवं एकांकी)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. (i) 'अंधेर नगरी' नाटक का मूल कथ्य क्या है ?

   (ii) 'अंधेर नगरी' नाटक के नामकरण के औचित्य पर चर्चा कीजिए।

(iii) 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के संवादों की विशेषता बताइए।

(iv) 'कबिरा खड़ा बाजार में' नाटक के प्रमुख पात्र कौन-कौनसे हैं ?

(v) डॉ. शंकर शेष के कृतित्व पर विचार कीजिए।

(vi) 'एक और द्रोणाचार्य' की मुख्य विशेषता क्या है ?

(vii) 'एक तोले अफीम की कीमत' एकांकी का क्या संदेश है ?

(viii) 'तांबे के कीड़े' एकांकी का कथानक लिखिए।

(ix) नाटक के कितने तत्व होते हैं ?

(x) एकांकी के महत्व पर टिप्पणी कीजिए।

खण्ड–ब

2. कल कोतवाल को फाँसी का हुकुम हुआ था। जब फाँसी देने को उसको ले गए, तो फाँसी का फंदा बड़ा हुआ, क्योंकि कोतवाल साहब दुबले हैं। हम लोगों ने महाराज से अर्ज किया, इस पर हुकुम हुआ कि मोटा आदमी पकड़कर फाँसी दे दो, क्योंकि बकरी मारने के अपराध में किसी को सजा तो जरूर होती है, नहीं तो न्याय न होगा।

3. सोचता हूँ, करतार ने माई को कैसा बनाया है। न मैं उसका बेटा, न वह मेरी माई, फिर भी सारा वक्त मुझे अपनी छाँव में लिए रहती है। जब कोई आँधी चलती है, तो अपनी दुबली-सी काया से मुझे अपनी ओट में ले लेती है कि आँधी-बवण्डर के थपेड़े उस पर न पड़ें।

4. क्योंकि उसके पास शक्ति थी। व्यवस्था उसकी पीठ थपथपाती थी। शक्ति के कारण तुम्हारी नियति तय करने का उसे अधिकार था। सवाल है उसने तय कर दिया, उस पर तुम चले क्यों नहीं। याद है जब तुमने विरोध की भाषा अपनाई, सत्ता ने तुम्हारे अस्तित्व पर सीधे हमला किया। कभी प्रलोभन देकर, कभी आतंक जमाकर।

5. बाबूजी, आप एक गँवार लड़की से मेरी शादी करने जा रहे हैं। मैंने बहुत विरोध किया लेकिन आप इरादा नहीं बदल रहे हैं। मैं अपने सिद्धान्तों की हत्या नहीं कर सकता, अपनी ही हत्या कर रहा हूँ। आपका आदेश तो स्वीकार नहीं कर सका, आपकी अफीम अवश्य स्वीकार कर रहा हूँ।

6. मैं कह रहा था कि हिन्दी रंगमंच का भविष्य इन धनाधीशों के हाथ में नहीं। ये लोग आर्ट नाम पर मेरा अंगूठा भी नहीं जानते। अपनी बेकार घड़ियों को भरने के लिए इन्हें शगल चाहिए। इन्हें ऐसे नाटक चाहिए जिनमें लपलपाता-सा आहें भरता प्यार हो, फूहड़ हास्य विनोद या नाच गाने की गुंजाइश हो।

7. जी हाँ, शर्त! और वह यह कि अगर आप रंगीन चश्मे पहनने के आदी हों तो उन्हें उठाकर रख दीजिए। खुली धूप में नंगी आँखों से चीजें देखने की आदत डालिए।

8. जनता का दर्द समझते हैं। महँगाई की मार हम पर भी है। जमाखोरों से हम भी आजिज हैं। आप लोग तो जानते ही हैं कि यह सब एक साजिश है, षड्यंत्र है, विरोधी पार्टियों ने हमारी सरकार को बदनाम करने के लिए ऐसे कई जाल बिछा रखे हैं।

खण्ड–स

9. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र रचित नाटक 'अंधेर नगरी' का प्रतिपाद्य स्पष्ट करते हुए उसकी आज की प्रासंगिकता में चर्चा कीजिए।

10. 'कबिरा खड़ा बाजार में' की समीक्षा नाटक के तत्त्वों के आधार पर कीजिए।

11. 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के मुख्य पात्र अरविंद का चरित्र-चित्रण कीजिए।

12. नाटक और एकांकी में अन्तर को रेखांकित कीजिए।